

न्यायालय राजस्व अपील प्राधिकारी, बीकानेर
पीठासीन अधिकारी, पुष्पा सत्यानी, आर.ए.एस.

अपील संख्या 120/20
(जीसीएमएस संख्या 2020/00186)

निर्णय दिनांक: 11-3-21

1. बंशीलाल पुत्र स्व. ओमप्रकाश जाति धानक निवासी ग्राम सदाऊ तहसील राजगढ़ जिला चूरु हाल चक 2 एसडीडब्ल्यूएमएल द्वितीय तहसील छत्तरगढ़ जिला बीकानेर।

—अपीलांट

—बनाम—

1. स्टेट ऑफ राजस्थान, जरिये तहसीलदार, छत्तरगढ़।
2. क्षेत्रिय वन अधिकारी, छत्तरगढ़

—रेस्पोडेन्ट

सुनिता पुत्री स्व. ओमप्रकाश जाति धानक निवासी चक 2 एसडीडब्ल्यूएमएल छत्तरगढ़ जिला बीकानेर।



अपील विरुद्ध आज्ञा दिनांक 17-12-1982
सहायक आयुक्त उपनिवेशन छत्तरगढ़ मु. बीकानेर

उपस्थिति:-

1. श्री निर्मल तंवर, अभिभाषक अपीलांट

—निर्णय—

1. अपीलांट ने यह अपील सहायक आयुक्त उपनिवेशन, छत्तरगढ़ मु. बीकानेर के निर्णय दिनांक 17-12-1982 जिसके द्वारा अपीलांट के पिता को पूर्व में वन विभाग हेतु आरक्षित भूमि का आवंटन किया गया, के विरुद्ध इस न्यायालय में राजस्थान उपनिवेशन (इगानप योजना में सरकारी कृषि भूमि आवंटन व विक्रय नियम) 1975 के नियम 23 के अन्तर्गत प्रस्तुत की है।
2. विद्वान अभिभाषक अपीलांट की बहस सुनी गई।



राजस्थान राजस्व अपील प्राधिकारी
बीकानेर

3.

विद्वान अभिभाषक अपीलांट ने अपनी बहस में बताया कि अपीलांट के पिता स्व. श्री ओमप्रकाश को बतौर भूमिहीन उपनिवेशन तहसील छत्तरगढ़ के चक 2 एसडीडब्ल्यूएमएल द्वितीय के मुरब्बा नम्बर 08/42 के किला नम्बर 6, 15 ता 25 की 12 बीघा कमाण्ड व किला नम्बर 1 ता 5, 7 ता 14 की 13 बीघा अनकमाण्ड इस प्रकार कुल 25 बीघा भूमि का आवंटन, आवंटन सलाहकार समिति की राय से किया गया तथा आवंटन की पुष्टि के उपरान्त दिनांक 17-02-1982 को आवंटन पट्टा भी जारी कर दिया गया। जिसका अपीलांट के पिता को कब्जा नहीं मिला ना ही रिकार्ड में अंकन हो सका, क्योंकि उक्त भूमि पूर्व में ही वन विभाग को आवंटित हो चुकी है। इसमें अपीलांट के पिता का कोई दोष नहीं है। अपीलांट एक गरीब काश्तकार है जिसकी आय का एक मात्र स्रोत खेती ही है। अपीलांट आज भी भूमिहीन व्यक्ति है।



राज्य सरकार के भी ऐसे आदेश है कि ऐसे भूमिहीन व्यक्तियों को वरीयता देकर अन्यत्र भूमि दी जावे। चूंकि अपीलांट के पिता को आवंटित भूमि पूर्व से ही वन विभाग हेतु आरक्षित भूमि है इसलिए अपीलांट अन्य भूमि पाने का पात्र है। अदालत मातहत को अपीलांट के आवंटन को निरस्त करते हुए अन्य भूमि आवंटित की जानी चाहिए थी लेकिन अदालत मातहत द्वारा ना तो अपीलांट के पिता का आवंटन निरस्त किया ना ही उसकी एवज में अन्यत्र भूमि के आदेश पारित नहीं किये है। जबकि अपीलांट की पात्रता आज दिनांक तक कायम है। ऐसी स्थिति में अपीलाधीन आदेश क्षेत्राधिकार से बाहर जाकर किया गया आदेश है। अतः अपीलांट की अपील स्वीकार फरमाई जाकर अपीलाधीन आदेश निरस्त किया जावे व आवंटन अधिकारी को निर्देश प्रदान करावें कि अपीलांट को उसकी पात्रता अनुसार उसी किस्म की अन्य भूमि आवंटित की जावे।

मियांद के संबंध में विद्वान अभिभाषक अपीलांट ने कथन किया कि अपीलांट द्वारा अदालत मातहत के समक्ष बारम्बार उपस्थित होकर वादगत् भूमि पर कब्जा दिये जाने का कथन किया जाता रहा है। अपीलांट को वादग्रस्त भूमि वन विभाग हेतु आरक्षित होने के कारण आज दिनांक तक वादगत् भूमि का कब्जा प्राप्त नहीं हुआ है। ऐसे एकतरफा आदेश में मियांद अधिनियम बाधक नहीं है। अतः अपीलांट की अपील मियांद शुमार धोषित की जावे।

शुमार अधील अधिकारी
बीकानेर

4. विद्वान अभिभाषक अपीलांट की बहस पर मनन किया गया एवं पत्रावली का विधि के परिप्रेक्ष्य में अध्ययन किया गया।

5. जहाँ तक मियांद का प्रश्न है, अपीलाधीन आदेश दिनांक 17-12-1982 को पारित किया गया है। जिसके विरुद्ध अपील 24-11-2020 को पेश की गई है। अपील के साथ धारा 5 मियांद अधिनियम का प्रार्थना पत्र मय शपथ पत्र प्रस्तुत किया गया है। अतः प्रार्थी के शपथ पत्र पर विश्वास करते हुए अपील में हुए विलम्ब को दरगुजर करते हुए अपील अन्दर मियांद घोषित की जाती है।

6. (1) हस्तगत प्रकरण में अपीलांट द्वारा सामान्य/भूमिहीन के तौर पर आवंटन हेतु प्रार्थना पत्र दिये जाने पर सलाहकार समिति की राय से उपनिवेशन तहसील छत्तरगढ़ में चक 2 एसडीडब्ल्यूएमएल द्वितीय के मुरब्बा नम्बर 08/42 के किला नम्बर 6, 15 ता 25 की 12 बीघा कमाण्ड व किला नम्बर 1 ता 5, 7 ता 14 की 13 बीघा अनकमाण्ड इस प्रकार कुल 25 बीघा कमाण्ड/अनकमाण्ड भूमि का आवंटन, आवंटन सलाहकार समिति की राय से किया गया तथा आवंटन की पुष्टि के उपरान्त आवंटन पट्टा भी जारी कर दिया गया। जिसका अपीलांट के पिता को कब्जा नहीं मिला क्योंकि अपीलांट के पिता को आवंटित भूमि पूर्व में ही वन विभाग को आवंटितशुदा भूमि थी।

(2) जहाँ तक अपीलांट को आराजी जैर के आवंटन का संबंध है, अपीलांट को आवंटन, आवंटन सलाहकार समिति व अध्यक्ष आवंटन समिति की राय से बाद जाँच ही आवंटन किया गया था। अदालत मातहत द्वारा आवंटन से पूर्व इस तथ्य पर गौर नहीं किया गया ना ही जाँच नहीं की गई, कि आवंटन दिनांक को उक्त आराजी जैर शुद्ध रूप से आवंटन हेतु उपलब्ध थी अथवा नहीं? अदालत मातहत का उक्त कृत्य धोर लापरवाही का द्योतक है। अदालत मातहत द्वारा की गई चूक अथवा लापरवाही का खामियाजा अपीलांट को नहीं मिल सकता।

शुद्ध अपील अधिकारी
बीकानेर

(3) अपीलांट को पूर्व में वन विभाग को आवंटित भूमि का आवंटन किया गया है। प्रकरण में आवंटन अधिकारी की चूक या कर्मचारियों की लापरवाही का खामियाजा आवंटी को नहीं दिया जा सकता। अदालत मातहत को आवंटन से पूर्व इस तथ्य की जाँच की जानी चाहिए थी कि क्या आराजी जैर आवंटन दिनांक को अपीलांट की पात्रता अनुसार शुद्ध रूप से भूमिहीन श्रेणी में आवंटन हेतु उपलब्ध थी अथवा नहीं। अदालत मातहत द्वारा इस तथ्य की जाँच किये बिना अपीलांट को वन विभाग को आवंटित भूमि का आवंटन किया गया है। जो स्पष्ट रूप से अयुक्तियुक्त आवंटन है।

(4) यहाँ यह उल्लेखनीय है कि प्रकरण में अपीलांट द्वारा अदालत मातहत के समक्ष आवंटन पश्चात् रिकार्ड में अमलदरामद हेतु बार-बार सम्पर्क किया जाता रहा है। अदालत मातहत की पत्रावली के अवलोकन से स्पष्ट है कि उनके द्वारा अपीलांट की पत्रावली पर कोई कार्यवाही आज दिनांक तक नहीं की गई है। अपीलांट अन्तहीन समय तक अपने आवंटन के अमल दरामद हेतु इंतजार नहीं कर सकता। अदालत मातहत द्वारा ना तो अपीलांट का आवंटन खारिज किया गया ना ही अपीलांट के आवंटन का अमल दरामद किया गया। अततः अपीलांट को न्यायालय की शरण के अलावा अन्य कोई विकल्प नहीं बचता।

(5) अदालत मातहत को तत्समय ही अपीलांट के आवंटन की पुष्टि करते हुए अपीलांट को आराजी जैर का कब्जा सुपुर्द करते हुए रिकार्ड में अमलदरामद किया जाना चाहिए था। अदालत मातहत द्वारा इस तथ्य पर कोई गौर किये बिना अपीलांट को वन विभाग को आवंटित भूमि का आवंटन किया गया है। अदालत मातहत की इस प्रकार की कार्यवाही किसी प्रकार से युक्तियुक्त/न्यायसंगत कार्यवाही नहीं कही जा सकती। अदालत मातहत व उसके अधीन कार्यरत कर्मचारी/पटवारी की उदासिनता या लापरवाही का दण्ड अपीलांट को नहीं दिया जा सकता।

(6) प्रकरण में अदालत मातहत को चाहिए था कि अपीलांट के पति/पिता का आवंटन खारिज करते हुए उसे अन्यत्र भूमि प्रदान की जानी चाहिए थी। अदालत मातहत द्वारा न तो अपीलांट के आवंटन खारिज किया गया व न ही अन्यत्र भूमि प्रदान की गई है। अदालत




2
अपीलांट अधिकारी
डी.डी. ...

मातहत द्वारा ऐसा नहीं किये जाने के फलस्वरूप ही अपीलांट को उक्त अपील न्यायालय हाजा के समक्ष प्रस्तुत करनी पड़ी है। अपीलांट की पात्रता आज दिनांक तक कायम है।

(7) प्रकरण में अपीलांट को आवंटित भूमि वन विभाग को आवंटित है। लिहाजा अदालत मातहत द्वारा अपीलांट को ऐसी भूमि का आवंटन किया गया है, जो पूर्व में वन विभाग को आवंटित होने के कारण अपीलांट भूमिहीन श्रेणी की विवादरहित भूमि अन्यत्र प्राप्त करने का अधिकारी है।

अतः उपरोक्त विवेचना के आधार पर अपीलांट की अपील स्वीकार की जाती है व अपीलाधीन आदेश दिनांक 17-12-1982 निरस्त किया जाकर प्रकरण अधिनस्थ न्यायालय उपखण्ड अधिकारी, छत्तरगढ़ को इस निर्देश के साथ प्रतिप्रेषित किया जाता है कि अपीलांट को नियमानुसार उसकी पात्रता के अनुसार भूमिहीन श्रेणी की विवादरहित भूमि उपलब्ध होने पर नियमानुसार कार्यवाही की जावे।

8. निर्णय मेरे द्वारा आज दिनांक 31-3-21 को लिखाया जाकर सरे इजलास सुनाया गया।


(पुष्पा सुत्यानी)
राजस्व अपील प्राधिकारी
बीकानेर